

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २८६] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून ८, १९७८/ज्येष्ठ १८, १९००
No. २८६] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 8, 1978/JYAISTHA १८, १९००

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

मृष्ट मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, विनांक १८ मई, १९७८

का०आ० ३७६(अ).—दंड प्रक्रिया सहिता (१९७४ का अधिनियम ११) की धारा २४ की
उपधारा ६ के अधीन प्रवत्त मकानों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, उप-
प्रक्रिया संहिता की धारा ३४६ के साथ पठित आंच आयोग अधिनियम की धारा ५(४) के अधीन,
तारीख २८-५-१९७७ की अधिसूचना सख्ती का०आ० ३७४(ई) के अधीन गठित आंच आयोग
द्वारा दिल्ली के मूळ मैट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट श्री पी०क० जैन के न्यायालय को भेजे जाने वाले
मामले के अभियोजन के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा १७३ और १७९ के अधीन किए
गए प्रपराधों के लिए श्री संशय गांधी पर मुकदमा लगाने के लिए एडवोकेट श्री कांसौर अल्हालकाना
को विशेष पनिक अधियोजक के लिए नियुक्त करती है।

[सं० ६/११०२०/२८/७८-कोमसेक]

जे०सी० पाण्डेय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th May, 1978

S.O. 376(E).—In exercise of the powers under Sub-Section 6 of Section 24 of the Criminal Procedure Code (Act II of 1974) the Central Government hereby appoint Shri Karl Khandalwala, Advocate, as Special Public Prosecutor for the purpose of prosecuting the case to be forwarded, under Section 5(4) of the Commission of Inquiry Act read with Section 346 of the Cr. P.C., to the court of Shri P. K. Jain, Chief Metropolitan Magistrate, Delhi, by the Commission of Inquiry constituted under Notification No. S.O. 374 dated 28-5-1977 for the trial of Shri Sanjay Gandhi for offences under Section 178 & 179 IPC.

[No. VI/11020/28/78-Comsec]

J. C. PANDEY, Jt. Secy.